



Kaushik Raj Dwivedi



Shreya Pandey

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119140701

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10-11/01/1998 :	जन्म तिथि	: 10/10/1998
शनि-रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 00:25:00 :	जन्म समय	: 20:50:00 घंटे
घटी 43:36:01 :	जन्म समय(घटी)	: 36:51:38 घटी
India :	देश	: India
Kanpur :	स्थान	: Darjeeling
26:27:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:02:00 उत्तर
80:19:00 पूर्व :	रेखांश	: 88:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44 :	स्थानिक संस्कार	: 00:23:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:58:35 :	सूर्योदय	: 05:33:34
17:34:43 :	सूर्यास्त	: 17:13:39
23:49:42 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:14
कन्या :	लग्न	: वृष
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
मिथुन :	राशि	: मिथुन
बुध :	राशि-स्वामी	: बुध
मृगशिरा :	नक्षत्र	: मृगशिरा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 3
ब्रह्म :	योग	: वरियान
गर :	करण	: वणिज
का-कमल :	जन्म नामाक्षर	: का-कमला
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
सर्प :	योनि	: सर्प
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 1वर्ष 11मा 15दि
गुरु
26/12/2017
26/12/2033

गुरु	14/02/2020
शनि	27/08/2022
बुध	02/12/2024
केतु	08/11/2025
शुक्र	09/07/2028
सूर्य	27/04/2029
चन्द्र	27/08/2030
मंगल	03/08/2031
राहु	26/12/2033

अंश

27:44:47
26:30:18
02:56:10
24:39:00
03:52:00
00:30:50
05:40:41
20:17:24
17:58:50
17:58:50
13:49:54
05:28:39
13:15:18

कन्या
धनु
मिथु
मक
धनु
कुंभ
मक व
मीन
सिंह व
कुंभ व
मक
मक
वृश्चि

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु व
शुक्र
शनि व
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो

वृष
कन्या
मिथु
सिंह
तुला
कुंभ
कन्या
मेष
सिंह
कुंभ
मक
मक
वृश्चि

अंश

26:54:59
23:16:41
00:02:51
08:04:07
03:49:18
26:11:48
18:14:05
07:21:24
06:32:40
06:32:40
15:00:04
05:32:50
12:16:58

विंशोत्तरी
मंगल 3वर्ष 5मा 21दि
गुरु
01/04/2020
01/04/2036

गुरु	20/05/2022
शनि	01/12/2024
बुध	09/03/2027
केतु	12/02/2028
शुक्र	13/10/2030
सूर्य	02/08/2031
चन्द्र	01/12/2032
मंगल	07/11/2033
राहु	01/04/2036

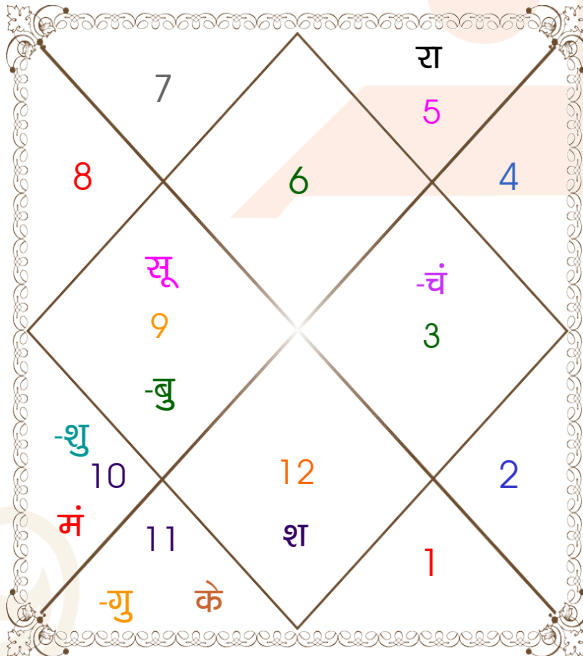
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

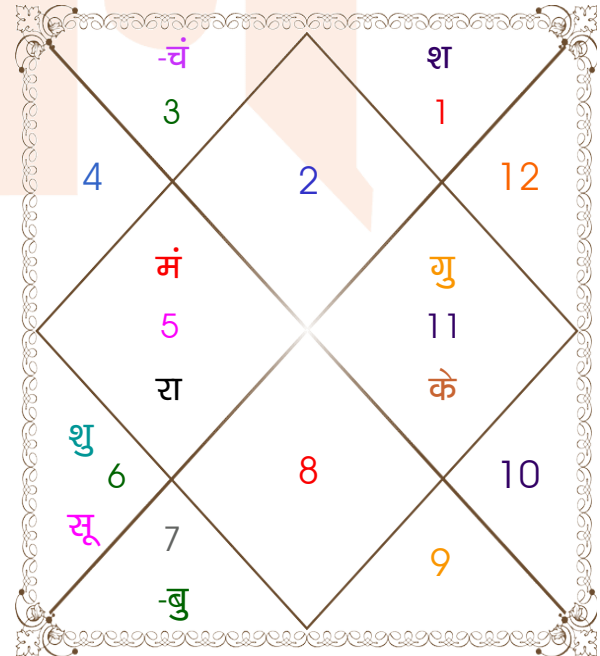
राहु : स्पष्ट

23:49:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:14

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Aacharya Vishal pandey

Jyotish Paramarsh Kendra

Varanasi

8175006666

vishalpandey7860@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

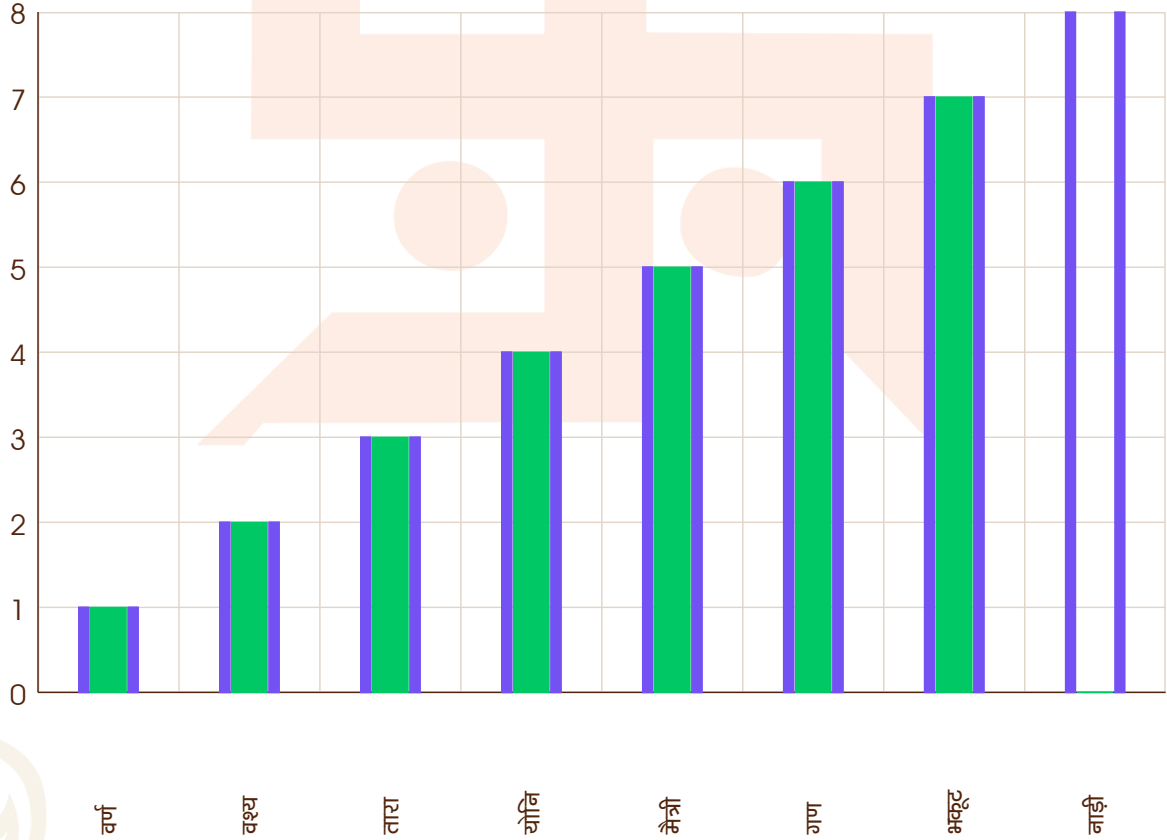
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

28.00

कुल : 28 / 36



Aacharya Vishal pandey

Jyotish Paramarsh Kendra

Varanasi

8175006666

vishalpandey7860@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Kaushik Raj Dwivedi का नक्षत्र मृगशिरा है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ौतमलं चंदकमल का नक्षत्र मृगशिरा है।

Kaushik Raj Dwivedi का वर्ग मार्जार है तथा ौतमलं चंदकमल का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kaushik Raj Dwivedi और ौतमलं चंदकमल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Kaushik Raj Dwivedi मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ौतमलं चंदकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ौतमलं चंदकमल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Kaushik Raj Dwivedi तथा ौतमलं चंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Kaushik Raj Dwivedi का वर्ण शूद्र है तथा नैतमलं चंदकमल का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Kaushik Raj Dwivedi का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं नैतमलं चंदकमल का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Kaushik Raj Dwivedi एवं नैतमलं चंदकमल दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Kaushik Raj Dwivedi की तारा जन्म तथा नैतमलं चंदकमल की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Kaushik Raj Dwivedi की योनि सर्प है तथा नैतमलं चंदकमल की योनि भी सर्प है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या

का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Kaushik Raj Dwivedi एवं ौतमलं चंदकमल दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Kaushik Raj Dwivedi एवं ौतमलं चंदकमल दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Kaushik Raj Dwivedi का गण देव तथा ौतमलं चंदकमल का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरान्त शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Kaushik Raj Dwivedi एवं ौतमलं चंदकमल दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Kaushik Raj Dwivedi एवं ौतमलं चंदकमल तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Kaushik Raj Dwivedi की नाड़ी मध्य है तथा ौतमलं चंदकमल की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Kaushik Raj Dwivedi एवं ौतमलं चंदकमल का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है। अतः Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल के मध्य स्वाभाविक, मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर पूर्ण समानता रहेगी तथा एक दूसरे को पूर्ण स्नेह एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे फलतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान अतिउत्तम रहेगा।

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल दोनों की राशियों का स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से वार्तालाप में दोनों अत्यधिक चतुर होंगे तथा अपनी बाक्पटुता से एक दूसरे को प्रभावित करेंगे। वे जीवन में समान सिद्धांतों एवं मूल्यों का अनुपालन करते हुए अपना समय व्यतीत करेंगे।

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल राशि परस्पर प्रथम प्रथम भाव में पड़ती है जो एक शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से इनमें परस्पर स्नेह, सहयोग एवं समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व का सम्मान करते हुए अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगे। वे सच्चे मित्रों की भांति एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए शांति एवं प्रसन्नता बनाए रखेंगे तथा एक दूसरे की सुख सुविधाओं का भी पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी।

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल का वश्य मानव है। अतः Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल की अभिरुचियों में पूर्ण समानता रहेगी तथा शारीरिक एवं मानसिक आवश्यकताएं भी बराबर रहेंगी। साथ ही एक दूसरे की काम भावनाओं को समझने तथा शांति एवं सन्तुष्टि प्रदान करने में भी सफल होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन का सुख एवं आनंद चरमोत्कर्ष सीमा पर रहेगा।

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल का वर्ण शूद्र है। अतः कार्यक्षेत्र में दोनों गम्भीर एवं कर्तव्यपरायण रहेंगे तथा कार्य क्षमताएं भी समान होंगी फलतः कार्य क्षेत्र एवं आर्थिक स्थिति सर्वदा सुदृढ़ रहेगी।

धन

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धन ऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Kaushik Raj Dwivedi को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ ही Kaushik Raj Dwivedi के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित्त संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबंधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिए Kaushik Raj Dwivedi को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में रौतमलं चंदकमल के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन रौतमलं चंदकमल को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में रौतमलं चंदकमल को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदृढ़ स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Kaushik Raj Dwivedi और रौतमलं चंदकमल का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

रौतमलं चंदकमल तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में

अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि तमलं चंदकमल धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ तमलं चंदकमल के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्द्विता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार तमलं चंदकमल का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Kaushik Raj Dwivedi के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Kaushik Raj Dwivedi अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Kaushik Raj Dwivedi के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Kaushik Raj Dwivedi के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।